हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल 2025

9 चिराग योजना से सरकार फीस का लालच देकर सरकारी...

10 आज रामनवमी पर सुबह 7:40 मिनट से 9:14 तक कन्या पूजन शुभ...

खबर संक्षेप

चौ. देवीलाल की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आज

फतेहाबाद। पूर्व उपप्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की पुण्यतिथि पर इनेलो द्वारा फतेहाबाद में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं श्रद्धांजली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इनेलो के जिला प्रधान बीकर सिंह हड़ौली ने बताया कि 6 अप्रैल रविवार को प्रातः साढ़े 8 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के सामने स्थित ताऊ देवीलाल प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

शराब बेचते एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। शराब तस्करों की धरपकड़ करते हुए जाखल पुलिस ने एक युवक को भारी मात्रा में शराब सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सागर पुत्र तरसेम निवासी गुरूद्वारा बस्ती, जाखल के रूप में हुई है। थाना जाखल प्रभारी एसआई राधेश्याम ने बताया कि पुलिस टीम एएसआई श्रवण कुमार के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी।

पुलिस ने हेरोइन सहित दो को किया गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव गंगा क्षेत्र 7.09 ग्राम हेरोइन व असल तस्कर सहित दो युवकों को काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बिट्टू पुत्र सोमा सिंह निवासी गंगा व असल तस्कर संदीप पुत्र रमेश कुमार निवासी घुकांवाली के रूप में हुई है। सीआईए कालांवाली प्रभारी इंस्पेक्टर विरेन्द्र सिंह ने बताया कि एएसआई मनोहर लाल पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान गांव गोरीवाला से गंगा गांव की ओर जा रहे थे।

पानी बचाने के लिए किया जागरूक

सिरसा। विश्व जल दिवस पर चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवर को जनस्वास्थ्य विभाग और लोक निर्माण विभाग ने मिलकर पानी की गुणवत्ता की जांच की और पाइपलाइन में लीकेज (पानी के रिसाव) को ठीक किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस अभियान के दौरान न्यायालय परिसर और जिला प्रशासन के अन्य विभागों में प्लंबरों को तैनात किया गया।

बस की टक्कर से महिला घायल

सिरसा। स्थानीय बस स्टैंड पर रोडवेज बस ने महिला को टक्कर मार दी। जिससे उक्त महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयान में गांव दड़बी निवासी सुनीता रानी पत्नी सुखदेव कुमार ने बताया कि वह तीन अप्रैल शाम को वह गांव जाने के लिए बस स्टैंड पहुंची। इसी दौरान हरियाणा रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी।

सीएससी सेंटर संचालक की गोली मारकर हत्या का मामला

पुलिस अधीक्षक के आश्वासन के बाद किया अंतिम संस्कार

हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर ग्रामीणों ने घेरा लघु सचिवालय

पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ को लेकर 5 टीमें गठित की, 10 किलोमीटर के क्षेत्र में खंगाले जा रहे सीसीटीवी

- राम सिंह की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के भट्टू क्षेत्र के गांव ठुईयां में सीएससी सेंटर संचालक की हत्या से लोगों में काफी रोष है। मृतक युवक का शनिवार को फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। इससे पूर्व शनिवार को घटना से खफा भट्टू क्षेत्र के अनेक गांवों से लोग फतेहाबाद पहुंचे और पुलिस से हत्या आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसपी कैम्प आफिस के बाहर रोष जताया। बाद में ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल एसपी आस्था मोदी से मिलने उनके आवास पर पहुंचा। एसपी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके लिए आसपास के 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ को लेकर 5 टीमें गठित की हैं। इसके बाद परिजन व ग्रामीण प्रदीप के शव का पोस्टमॉर्टम करवाने और अंतिम संस्कार करने को सहमत हुए। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने गांव ठुईयां निवासी राम सिंह की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फतेहाबाद। एसपी कार्यालय के बाहर रोष जताते ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

शुक्रवार शाम को चार युवकों ने मारी थी गोली

पुलिस को दी शिकायत में ठुईयां निवासी राम सिंह ने कहा है कि उसका भतीजा प्रदीप कुमार गांव में ग्राहक सेवा केन्द्र जोकि एसबीआई की मिनी शाखा के नाम से दुकान करता था। उसकी दुकान पर काम सिखने के लिए फरवरी से गांव ठुईयां की ही अंजली नामक युवती लगी हुई थी। 4 अप्रैल देर शाम को जब वह अपने भतीजे प्रदीप के साथ उसकी दुकान के पास खड़ा था तो इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर चार युवक सवार होकर आए और सीएससी सैंटर में जा घुसे। थोड़ी देर में उसे गोली चलने की आवाज सुनाई दी तो वह दुकान में गया। उसके देखते-देखते चारों अज्ञात चोर प्रदीप कुमार को गोली मारकर व उसका लैपटाप लूटकर हथियारों सहित मोटरसाइकिल पर गांव पीलीमंढौरी की तरफ भाग गए। उसने लहुलूहान हालत में प्रदीप कुमार को भट्टू के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही हैं।

पुलिस ने ढिलाई बरती तो होगा आंदोलन

ग्रामीणों ने कहा कि प्रदीप बहुत बढिया इंसान था। उसका किसी से कोई झगड़ा नहीं था। वह परिवार का अकेला ही पालन पोषण करने वाला था। उसका एक भाई और है, लेकिन वह बीमार है। बच्चे भी छोटे हैं। गांव ढांड के सरपंच चंद्रमोहन पोटलिया, किसान नेता कमल बिसला व किसान सभा के प्रधान विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि एसपी ने जल्द हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। इसलिए ग्रामीणों ने पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए हैं। अगर पुलिस प्रशासन ने फिर भी कोई ढिलाई बरती तो दोबारा आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

टोहाना में 15 लाख से बनेगा भगवान परशुराम द्वार

टोहाना। टोहाना में भगवान परशुराम मंदिर के गेट का निर्माण जल्द शुरू होगा। नगर परिषद इस काम पर 15 लाख रुपए खर्च करेगी। नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भगवान परशुराम मंदिर समिति के प्रधान विजय शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचे चेयरमैन का स्वागत किया। चेयरमैन बंसल ने बताया कि जल्द ही वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गेट का निर्माण कार्य 3 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। मंदिर कमेटी प्रधान विजय शर्मा ने नगर परिषद का आभार जताया। उन्होंने कहा कि समिति की मांग को स्वीकार करने के लिए वे नगर परिषद के आभारी हैं। इससे पहले नगर परिषद द्वारा शहर के चंडीगढ़ रोड को रेलवे रोड से जोडने वाले रोड का नाम भगवान परशुराम के नाम से किया गया है। इसके अलावा भगवान परशुराम के नाम से ही बस क्यू शेल्टर भी बनाया गया है जिससे समाज के लोगों में खुशी है। भगवान परशुराम मंदिर कमेटी द्वारा लंबे समय से गेट निर्माण की मांग की जा रही थी। जिसे नगर परिषद की बैठक में सभी पार्षदों की सहमति से पास करवाया गया था।

- नगर परिषद चेयरमैन ने पूजा के साथ किया शुभारंभ

गांव व खंड स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को, नगराधीश ने बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

बाल विवाह रोकने के लिए अलर्ट रहें अधिकारी

नगराधीश यश मलिक ने कहा कि आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर शादियों का ज्यादा आयोजन किया जाता है। इस दौरान बाल विवाह होने की भी आशंका बनी रहती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बाल विवाह न हो। बाल विवाह को लेकर गांव, वार्ड, खंड स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। अगर आमजन को बाल विवाह से संबंधित कोईसूचना मिलती है तो वे भी जिला प्रशासन को सूचित करें। नगराधीश यश मलिक विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य है कि लड़कियों को शिक्षा, हुनर और आत्मनिर्भर बनने का मौका दिया जाए ताकि वे अपने हक के लिए आवाज उठा सकें। जब लड़कियों को कानून की जानकारी होगी, तो वे बाल विवाह के खिलाफ खड़ी हो सकेंगी।बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने बताया कि आज के समय में भी कई जगहों पर बाल विवाह के मामले सामने आते हैं। समय से पहले विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और भविष्य पर बुरा असर पड़ता है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक भारत को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाया जाए, लेकिन यह काम तभी संभव होगा जब सभी लोग मिलकर इसमें सहयोग करें। बैठक में बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन अनीता सहित योगेश, वंदना मोंगा, अनिल, मनदीप, संदीप, गुरप्रीत और अमित समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।

सिरसा। अधिकारियों की बैठक लेते नगराधीश।

10 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में फिर बदलाव आएगा

पश्चिमी हवाएं चलने से अगले दो दिनों में तापमान पहुंचेगा 40 के पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अप्रैल के पहले सप्ताह की मौसम का मिजाज अपने गर्म तेवर दिखाने लगा है। दो दिन पूर्व बादल छाने के बाद शनिवार को यहां के तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई जिससे पूरा दिन लोगों को जून-सी गर्मी का अहसास हुआ। शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 36 डिग्री व न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2-3 दिन में पश्चिमी हवाएं चलने से तापमान में ओर बढ़ोतरी होगी और यह 40 डिग्री तक जा सकता है। 10 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में एक बार फिर बदलाव आएगा। पिछले कई दिनों से तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। एकाएक मौसम में बदलाव आया और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। शनिवार को यहां का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जबकि न्यूनतम तापमान भी 19 डिग्री तक जा पहुंचा। एचएयू हिसार के मौसम विभाग के विभागध्यक्ष प्रो. एमएल खिचड़ के अनुसार पश्चिमी हवाएं चलने से 8 अप्रैल को तापमान 4 डिग्री बढ़ जाएगा जिससे यह 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। 10 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से मौसम फिर बदलेगा।

अभिभावकों को लूट रहे है निजी स्कूल संचालकः सांसद सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि नया शिक्षण सत्र शुरू हो चुका है और निजी स्कूल संचालक दोनों हाथों से अभिभावकों को सरेआम लूट रहे है और सरकार है कि हाथ पर हाथ रखकर तमाशा देख रही है ऐसा लग रहा है कि सरकार ने निजी स्कूलों को लूटने का ठेका दिया हुआ है, अभिभावक बच्चों के भविष्य की खातिर चुप्पी साध जाते है अगर सरकार ने सरकारी स्कूलों के हालात सुधारने पर ध्यान दिया होता तो अभिभावक लुटने को मजबूर न होते। कमीशन के खेल में आम आदमी बुरी तरह से पिस रहा है सरकार है कि शिक्षा को व्यवसाय बनाने पर तुली हुई है। शनिवार को मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि अभिभावक निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा बताई गई दुकानों से महंगे दाम में कॉपी-किताबें और स्कूल यूनिफॉर्म खरीदने पर मजबूर हैं।

लैब संचालक सुसाइड मामले में दो महिलाओं सहित तीन पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिविल लाइन सिरसा पुलिस ने प्रेमनगर स्थित शनिमंदिर के निकट लक्ष्मी लैब के संचालक इंद्रपाल के सुसाइड मामले में दो महिलाओं सहित तीन लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मामला दर्ज किया है। गांव खैरेकां निवासी सुभाष पुत्र श्रवण कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि वह प्रेमनगर में शनि मंदिर के निकट रामदेव क्लीनिक का संचालन करता है। उसका भाई इंद्रपाल पास में लक्ष्मी लैब संचालित करता था। उसने बताया कि 12 फरवरी 2025 की दोपहर को उसकाभाई उल्टियां करने लगा। उसने उपचार के लिए भाई को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहरीला पदार्थ खाने की वजह से उसके भाई की मौत हो गई।सुभाष ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली पिंकी पत्नी गोपाल कृष्ण ने उसके भाई इंद्रपाल को अपने जाल में फंसा रखा था। उसके भाई को ब्लेकमेल कर उसके भाई से स्कूटी ली, जिसकी किस्त उसका भाई अदा करता था। स्कूटी उसके नाम थी। उसने बताया कि उसके भाई की मृत्यु के दो दिन बाद एक मोबाइल विक्रेता का उनके पास फोन आया कि एक महिला फोन बेचने के लिए आई है। यह फोन भी पिंकी ने उसके भाई को ब्लेकमेल करके हासिल किया था। सुभाष ने आरोप लगाया कि पिंकी, उसका पति गोपाल कृष्ण और उसकी सास लक्ष्मी ने मिलकर उसके भाई को ब्लेकमेल किया और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया, जिसके कारण उसने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली।

अपराधियों की धरपकड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

34 किलो 810 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद, दो तस्करों को किया गिरफ्तार

एसपी आस्था मोदी के दिशा-निदेशानुसार चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत जिला पुलिस ने भूना क्षेत्र से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। थाना भूना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रदीप ने बताया कि एएनसी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एएसआई जयदेव के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब गांव हासंगा में पहुंची तो पुलिस को सूचना मिली कि सतबीर सिंह निवासी ढाणी घोटडू कचरा डोडा पोस्त बेचने का काम करता है और आज भी अपने घर में काफी मात्रा में डोडा पोस्त लेकर आया हुआ है। इस सूचना पर पुलिस टीम घोटडू में ढाणी के पास पहुंची तो घर के बाहर एक व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक पुलिस टीम को देखकर घबरा गया और घबराकर तेजी से घर के अंदर जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने उसे काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम सतबीर सिंह बताया। पुलिस ने जब उसके मकान की तलाशी ली तो कमरे में रखे प्लास्टिक कट्टे से 34 किलो 810 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ।

एक अन्य मामला

दूसरे मामले में थाना भूना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रदीप ने बताया कि एंटी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एसआई वेदपाल के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब गांव नाढोडी पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि सुभाष निवासी ढाणी घोटडू अपने घर पर डोडा पोस्त बेचने का काम करता है। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर सुभाष नामक युवक को काबू किया। पुलिस ने जब तलाशी ली तो कमरे में रखे प्लास्टिक कट्टों में रखे 7 लिफाफों से 7 किलो 118 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ थाना भूना में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने गांवों में आयोजित किए रेडीनेस मेले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शनिवार को गांव पूर्णमाजरा, हिम्मतपुरा, सिम्बल वाला, समैन, ठरवी, सानियान, डांगरा और इंदाछोई सहित विभिन्न गांवों में रेडीनेस मेले आयोजित किए गए। यह मेले आंगनबाड़ी केंद्रों और प्ले स्कूलों में आयोजित हुए, जिनका उद्देश्य बच्चों के प्रारंभिक विकास को बढ़ावा देना और अभिभावकों को अपने बच्चों को प्ले स्कूल में भेजने के लिए प्रेरित करना था। सुपरवाइजर कर्मजीत कौर ने बताया कि इन मेलों में बच्चों के लिए विभिन्न विकासात्मक गतिविधियां आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि भाषा विकास जैसे कहानी सुनाना, कविता, चित्र वर्णन, शारीरिक विकास जैसे कूदना, दौडऩा, गेंद खेलना, बौद्धिक विकास जैसे गिनती रंग-अकार पहचान, सामाजिक और भावनात्मक विकास जैसे समूह में खेलना, साझेदारी और रचनात्मकता विकास जैसे चित्र बनाना, रंग भरना, चीजें बनाना यह सभी गतिविधियाँ बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें जीवन के प्रारंभिक वर्षों में मजबूत नींव प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि मेले में हाथ से बनी वस्तुओं और खिलौनों को प्रदर्शित किया गया, जो बच्चों के आकर्षण का केंद्र बने।

भाजपा जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा ने लिस्ट की जांच करवाने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

8 व 9 को प्रत्येक विधानसभा के लिए सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा आयोजित

बीजेपी सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन की लिस्ट में कांग्रेस नेता श्याम कंबोज का नाम हुआ वायरल

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 8 और 9 अप्रैल को प्रत्येक विधानसभा के लिए सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाना है। इसको लेकर प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी एक लिस्ट वायरल हो रही है, जिसमें रतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व भाजपा छोडक़र कांग्रेस में शामिल होने वाले कांग्रेस नेता शाम कंबोज का नाम भी प्रमुख नेताओं की लिस्ट में शामिल किया गया है। इसको लेकर रतिया क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं गर्म हो गई है कि श्याम कंबोज जे बीजेपी में शामिल हो गए हैं या गलती से उनका नाम लिस्ट में डाल दिया गया है। हालांकि यह मामला सामने आने के बाद बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने लिस्ट की जांच करवाने की बात कही है।

लिस्ट को लेकर सवाल खड़े

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को सोशल मीडिया पर बीजेपी की एक लिस्ट वायरल हो रही है जिसमें हरियाणा के 90 विधानसभा क्षेत्र में 8 और 9 अप्रैल को सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन किए जाने की बात कही गई है। इस लिस्ट में प्रत्येक विधानसभा के लिए तीन नेताओं की ड्यूटी लगाई गई है। जो लिस्ट वायरल हो रही है उसमें रतिया विस के लिए जिन तीन नेताओं की ड्यूटी लगाई गई है, उसमें पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, कालांवाली से बीजेपी के प्रत्याशी रहे राजेंद्र देसूजोधा व श्याम कंबोज का नाम लिखा हुआ है। बता दें कि श्याम कंबोज पूर्व में रतिया भाजपा के मंडल अध्यक्ष के साथ-साथ मार्केट कमेटी के अध्यक्ष भी रहे थे लेकिन 2024 में विधानसभा चुनाव से पहले वह विधायक लक्ष्मण नापा के साथ भाजपा छोडक़र कांग्रेस में चले गए थे और कांग्रेस के उम्मीदवार जरनैल सिंह का खुलकर समर्थन भी किया था। अब इस लिस्ट को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं कि बीजेपी की लिस्ट में कांग्रेस नेता श्याम कंबोज का नाम कैसे शामिल हो गया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

जिला प्रधान ने सूची को बताया फेक

श्याम कंबोज के नाम की लिस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कुछ लोगों ने उन्हें बधाई भी देनी शुरू कर दी है। जब इस बारे में श्याम कंबोज बहुत से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनके पास भी बीजेपी सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन की लिस्ट की एक कॉपी आई है जिसमें उनका नाम नेता के तौर पर लिखा हुआ है। वह इसके बारे में कुछ नहीं कह सकते जो भी कुछ कहना है वह बीजेपी के नेताओं द्वारा ही इसके बारे में कहा जाएगा। भाजपा के जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा से जब इस बारे बात की गई तो उन्होंने इस वायरल लिस्ट को फेक बताते हुए कहा कि यह लिस्ट उनके पास भी आई है जिसमें रतिया विधानसभा क्षेत्र से श्याम कंबोज का नाम लिखा हुआ है वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे इसलिए यह लिस्ट फेक है। इस लिस्ट के बारे में उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय को भी सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जाएगी कि यह लिस्ट कहां से वायरल हुई थी और इसमें श्याम कंबोज का नाम कैसे आया।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉमप्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि

कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव | बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इस तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे कि बुलियनबाजार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ्रंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्त्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेजी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्त्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉमप्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

बाइक सवार मंगलसूत्र लेकर फरार

सिरसा। गांव शाहपुर बेगू में खेतों में रह रही महिला का चारपाई पर पड़ा मंगलसूत्र बाइक सवार चोरी कर ले गया। पुलिस को दी शिकायत में गुडिया कुमारी ने बताया कि वह गांव शाहपुर बेगू में खेतों में बने कमरे में रहती है। बीती 1 अप्रेल को उसका पति घर से बाहर गया हुआ था। शाम करीब 4 बजे वह घर का काम कर रही थी। इसी दौरान उसने अपना मंगलसूत्र निकालकर चारपाई पर रख दिया और काम में लग गई। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक घर आया और चारपाई पर पड़ा मंगलसूत्र उठाकर भाग गया। उसने हालांकि शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते, युवक भागने में कामयाब हो गया।

खेतों से हजारों की ट्यूबवेल की केबल चोरी

सिरसा। जिला के गांव दड़बी में एक किसान के खेतों से चोर हजारों की विद्युत केबल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में खेत मालिक विजय कुमार ने बताया कि उसके खेतों में लगी पानी की मोटर खराब हो गई थी, जिसे उसने खोलकर मिस्त्री के पास ठीक करवाने के लिए छोड़ दिया और करीब 800 फुट केबल खेत में बने कमरे में रख दी। शाम को वह कमरे को ताला लगाकर घर आ गया।

बिजली के दामों में वृद्धि के निर्णय की आलोचना

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने भाजपा सरकार की ओर से महंगाई के दौर में बिजली के दामों में की गई वृद्धि के निर्णय की कड़ी आलोचना की है। अशोक वर्मा ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के उत्थान व कल्याण के लिए काम करने का दावा करती है, वह सरासर झूठा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी, अपराध आदि से परेशान है, ऊपर से सरकार ने बिजली के दामों में वृद्धि कर कोढ में खुजली का कार्य किया है।

बीच बचाव करने वाले दुकानदार को धमकी

सिरसा। शहर की ऑटो मार्केट में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े में बीचबचाव करना एक दुकानदार को महंगा पड़ गया। ऑटो मार्केट के दुकानदार अमनदीप ने बताया कि वह सिरसा के साधु कुटिया एरिया का रहने वाला है। वह शुक्रवार देर शाम को सामान लेने के लिए रोड की ओर स्थित दुकान पर गया था। वहां पर दो पक्षों का झगड़ा हो रखा था। वह बीचबचाव के लिए पहुंचा तो उसने उनको छुड़वा दिया। इसके बाद वह दुकान पर आ गया। जब वह दुकान पर आकर रुका तो करीब 10 से 12 लडक़े दुकान के बाहर खड़े थे। वह आते ही उसे धमकी देने लगे।

सीएम सैनी ने रोड जलघर का किया निरीक्षण

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कैमरी रोड पर स्थित जलघर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर जलापूर्ति के संबंध में अधिकारियों से जवाब तलब किया। मुख्यमंत्री ने जलघर के टैंक की साफ सफाई का भी मुआयना किया। उन्होंने अधिकारियों को जलघर के टैंक और पूरे परिसर में स्वच्छता पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जलघर के ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

रामनवमी पर्व पर अखंड पाठ आज से

हिसार। महावीर कालोनी स्थित कबीर सत्संग भवन में रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य में 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक जगतगुरु आचार्य श्री गरीबदास महाराज की अमृतमयी वाणी का तीन दिवसीय 29वां अखण्ड पाठ आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सत्संग भवन के संचालक संत शिव दास ने बताया कि 6 अप्रैल को अखंड पाठ का सुबह पाठ प्रकाश शुरू होगा। 7 अप्रैल को सुबह मध्य का भोग, संध्या आरती व रात्रि का सत्संग होगा तथा 8 अप्रैल को सुबह पूर्ण भोग की आहुति का आयोजन एवं अमृत प्रवचन गरीबदासी आचार्य पीठाधीश्वर श्री महंत दया सागर द्वारा होगा।

सरकार की कौशल टीचरों को हटाने की नीति का किया विरोध

चिराग योजना से सरकार फीस का लालच देकर सरकारी स्कूलों को खत्म कर रही : दुसाद

- अध्यापक संघ कार्यकारिणी की हुई बैठक
- मई में किया जाएगा जिला स्तरीय प्रदर्शन

फतेहाबाद के अध्यापक 22 को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते अध्यापक संघ के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ब्लाक फतेहाबाद कार्यकारिणी की बैठक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद में प्रधान हरपाल हुडडा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सचिव मुरारी लाल ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए खंड प्रधान हरपाल हुडडा ने सरकार की कौशल टीचरों को हटाने की नीति का कड़ा विरोध किया और सरकार से इस पत्र को वापस लेकर सभी कौशल टीचरों, गेस्ट टीचर, कंप्यूटर टीचर एवं एनएसक्यूएफ टीचरों को तुरंत प्रभाव से नियमित करने की मांग की। संघ ने कहा कि अगर सरकार कौशल टीचरों को हटाने के आदेश वापस नहीं लेती है, तो हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ब्लाक फतेहाबाद 22 अप्रैल को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय फतेहाबाद पर ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शन करके हरियाणा सरकार को ज्ञापन देगा। अगर सरकार फिर भी समस्या का हल नहीं करती है, तो मई में जिला स्तरीय व जून में राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। जब तक पहले से हटाए जा चुके व अब रोजगार खोने वाले सभी शिक्षकों का समायोजन नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में राज्य आडिटर सुरजीत दुसाद, जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला वरिष्ठ उपप्रधान डॉ नीतु डूडेजा, कोषाध्यक्ष राजेश गोठड़ा, दलवन्ती उप प्रधान, पूजा नागपाल, गुरदियाल सिंह राजेश कुमार डीपी आदि पदाधिकारी उपस्थित हुए। संघ के राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद, जिला प्रधान राजपाल मिताथल व जिला वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. नीतु डूडेजा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग व हरियाणा सरकार की वायदा खिलाफी और हठधर्मिता के विरोध में 15 से 22 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में धरने-प्रदर्शन किए जाएंगे। मई में जिला स्तरीय प्रदर्शन व 20 मई को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार, शिक्षा विभाग को बंद करने और सिकोड़ने के इरादे से पहले शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझाकर बच्चों से दूर रखती है। एक तिहाई पद हमेशा खाली रखते है। हजारों सहायक स्टाफ के खाली पदों का वर्कलोड शिक्षकों पर डालती है। इतने पर भी बच्चे सरकारी स्कूल छोडक़र न जाएं, तो चिराग योजना से फीस का लालच देकर अपने ही सरकारी स्कूलों की हत्यारी बनी हुई है। ऊपर से षड्यंत्रकारी शर्त यह कि पहले बच्चे होंगे, तो ही शिक्षकों के पद दिए जाएंगे।

पीएम-कुसुम योजना

75 प्रतिशत अनुदान पर सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा द्वारा प्रदेश में किसानों को खुशहाल व आत्मनिर्भर बनाने हेतू सोलर वाटर पम्पिंग 75 प्रतिशत अनुदान पर दिए जा रहे हैं ताकि किसानों द्वारा अपने खेतों में सोलर ऊर्जा से सिंचाई कर सके और फसलों की लागत को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) के तहत 3 एचपी से 10 एचपी तक के सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम स्थापित करवाने हेतू 8 अप्रैल से 21 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक किसान सरल हरियाणा पोर्टल से अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकते हैं। पैनलबद्ध कम्पनियों द्वारा सहमति के उपरान्त कैपेसिटी अनुसार उपभोक्ता को देय राशि का भुगतान करना होगा और किसान किसी भी कम्पनी का चयन कर सकते हैं परन्तु अपरिहार्य परिस्थिति में महानिदेशक हरेडा को आवेदक द्वारा चयनित फर्म को बदलने का अधिकार होगा।

जरूरी शर्तें

आवेदन के लिए लाभार्थी के नाम कृषि भूमि व परिवार पहचान पत्र होना जरूरी है। किसान के पास बिजली का ट्यूबैल कनैक्शन नहीं होना चाहिए। जिन किसानों के पहले ही सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम लगे हुए है वे दोबारा आवेदन करने के पात्र नहीं है। आवेदन करने वाले किसान के पास उसके खेत में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली/फव्वारा सिस्टम का होना अनिवार्य है। ये सिस्टम पहले आओ पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। संबंधित किसान को आवेदन करते समय सिस्टम की कुल लागत का केवल 25 प्रतिशत राशि ऑनलाइन हरेडा, पंचकूला के खाते में जमा करवाना अनिवार्य है। बिना लाभार्थी अंश राशि जमा करवाने, दस्तावेज पूर्ण ना होने की अवस्था में आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उपायुक्त ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपने खेत के साइज, पानी के लेवल और पानी की जरूरत के अनुसार टाइप और पम्प का चयन करें।

मई में मुख्यमंत्री से मिलेगा नंबरदारों का प्रतिनिधिमंडल

सिरसा। नंबरदार एसोसिशन की बैठक कोर्ट कांप्लेक्स में जिला प्रधान हरफूल सिंह व तहसील प्रधान राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि मई माह में नंबदरदारों की लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की जाएगी। सभी नंबरदारों ने यह सुझाव दिया कि सभी किसान भाइयों को गेहूं की तैयार फसल को देखते हुए सूचित किया जाए कि अपने-अपने ट्यूबवैल पर टंकी बनाकर पानी का प्रबंध करके रखें। ट्रांसफार्मर के नीचे से व साइड से गेहूं व घास फूस साफ करके रखें, ताकि किसी भी प्रकार की बिजली से होने वाली दुर्घटना से बचा जा सके।

पूर्व थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार को भावुक विदाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

इंस्पेक्टर सुरेंद्रा बने भूना थाने के नए एसएचओ, संभाला कार्यभार

आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती से होगी कार्रवाई : एसएचओ

भूना। कार्यभार संभालते नए एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेंद्रा।

इंस्पेक्टर सुरेंद्रा को शनिवार को थाना भूना का नया एसएचओ नियुक्त किया गया। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के आदेश पर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। सुरेंद्रा ने शनिवार को कार्यभार संभाल लिया। वे फतेहाबाद में निर्भीकता और निष्ठा से ड्यूटी निभाने वाले अधिकारियों में गिने जाते हैं। पूर्व थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार को भावुक विदाई दी गई। उन्होंने सभी बीट इंचार्ज और पुलिसकर्मियों से कहा कि उनके कार्यकाल में किसी को कोई असुविधा हुई हो तो क्षमा करें। नए एसएचओ सुरेंद्रा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता इलाके में अपराध पर अंकुश लगाना रहेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। शरारती तत्वों और आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। नशे पर नियंत्रण उनकी प्राथमिकता में रहेगा। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार, रामपाल खलेरी, विजय बसेरा, सुरेश कुमार सिवाच, कांता देवी, शकुंतला देवी, सुनीता पाबड़ा, रोहताश कुमार, अनिल कुमार, ज्योति प्रसाद, भूपेंद्र सिंह, सुमन देवी, सोनू ढाका, सुशील कुमार आदि मौजूद रहे।

टीम बी के प्रतिभागी धर्मप्रीत, जितेन्द्र व ज्योति रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

खालसा कॉलेज में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

- प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने भाग लिया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान विभाग की कौटिल्य राजनीतिक परिषद द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 6 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की कार्यकारी प्राचार्या डॉ. सुमित्रा सांगवान ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल ज्ञान की परीक्षा है, बल्कि यह विद्यार्थियों के मनोबल और उनके बौद्धिक विकास की भी परिचायक है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विज्ञान का क्षेत्र बहुत विस्तृत और गहन है और इसमें महारत हासिल करना, एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन उनके विद्यार्थियों में इस चुनौती को स्वीकार करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की अद्भुत क्षमता है। प्रतियोगिता में प्रो. सुनील वर्मा ने क्विज मास्टर की भूमिका का निर्वहन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के इन्चार्ज प्रो. कृष्ण लाल ने बच्चों को इस तरह की महाविद्यालय में आयोजित होने वाली ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें अपने-अपने लक्ष्य निर्धारित करके उनको कैसे पूरा करें, के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर टीम बी के प्रतिभागी धर्मप्रीत, जितेन्द्र व ज्योति ने, द्वितीय स्थान पर टीम ई के प्रतिभागी सन्दीप सिंह, मानक व सागर ने व तृतीय स्थान पर टीम सी के प्रतिभागी लवजीत सिंह, सौरभ व प्रवीन कौर ने प्राप्त किया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. कपिल देव, प्रो. दिनेश कुमार व प्रो. सुनील वर्मा ने निभाई। समापन पर प्रतियोगिता की आयोजन कमेटी के सदस्यों ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पैक्स प्रबधक कमेटी की बैठक में कई मुद्दों पर किया विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया प्राथमिक कृषि सहकारी समिति की बैठक समिति कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पैक्स के चेयरमैन पूर्ण चंद पाली द्वारा की गई। बैठक में पैक्स को सुचारू रूप से चलने के लिए प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया। इस पर सभी मेंबरों द्वारा सहमति जताई गई। पैक्स के बिक्री केन्द्रों की खस्ता हालत को देखते हुए मुरम्मत करवाई जाए। वाइस चेयरमैन गुरचरन सिंह ने बताया कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा खाद उपलब्ध करवाने में कोशिश रहेगी। प्रबंधक कमेटी ने निर्णय लिया गया कि पैक्स को चलाने के लिए अतिदेय कर्जे की वसूली करवाई जाए, जिसमें कमेटी मेंबर के सहयोग करेंगे। इसके अलावा पैक्स के माध्यम से मिलने वाली हर सुविधा किसानों को मुहैया करवाने में सहयोग करेगी। इस बैठक में पैक्स के प्रबंधक अमृतलाल व सहकारी बैंक ब्रांच रतिया के मैनेजर सुरेश कुमार भी उपस्थित रहे व पैक्स प्रबंधक कमेटी के सदस्य सुखजीत सिंह तेलीवाड़ा डेलीगेट इफको, प्रवीण पन्ना आदि रहे।

श्रद्धालुओं को प्रसाद किया वितरित

चैत्र मास की अष्टमी पर प्राचीन शनि धाम में हुआ कंजक पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

मंदिर में कन्याओं को भोजन करवाते हुए।

चैत्र मास के नवरात्रों की अष्टमी के अवसर पर शनिवार को प्राचीन श्री शनि धाम में कन्याओं का पूजन किया गया। मां दुर्गा की पूजा और आरती के पश्चात विधि विधान से कन्याओं के चरण पखार कर पूजन किया गया तत्पश्चात उन्हें भोग अर्पित किया गया। कन्या पूजन के पश्चात मंदिर में आए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पुजारी चंद्रमोहन भृगुवंशी ने विधि विधान से पूजा करवाई। इस अवसर पर समाजसेवी जोगेंद्र सेतिया, अमित कुमार व उनके परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मां दुर्गा की आरती व पूजन किया। तत्पश्चात श्रद्धा पूर्वक मां दुर्गा स्वरूप कन्याओं को भोजन करवाया। माता स्वरूप कन्याओं से आशीर्वाद लिया। भृगुवंशी ने बताया कि मां दुर्गा सर्व शक्तिमान है और मनोवांछित फल देने वाली है। इस अवसर पर प्राचीन शनिदेव मंदिर चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से जोगेंद्र सेतिया को स्मृति चिह्न भेंट किया।

कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

धूमधाम से मनाया जाएगा भाजपा का स्थापना दिवसः रातुसरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप रातुसरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 6 अप्रेल को अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगी। रातुसरिया ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि पार्टी ने आगामी 6 अप्रेल से 14 अप्रेल तक के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 20 हजार 629 बूथ हैं और हर बूथ पर कार्यक्रम होंगे। बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में सभी बूथों पर सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन भी होंगे। रातुसरिया ने कहा कि इसी दिन भाजपा का प्रदेश कार्यालय भी मंगल कमल रोहतक से पंचकमल पंचकूला में शिफ्ट हो जाएगा। भाजपा के स्थापना दिवस आगामी 6 अप्रेल को पंच कमल कार्यालय भाजपा का मुख्यालय होगा।

चालान काटने पर भड़की महिला ने मांगी माफी

सिरसा। शहर में महिला गाड़ी का चालान काटने पर हाई वोल्टेज ड्रामा कर दिया और मामला थाने तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार पंजाब से एक परिवार के 20 से 25 लोग पिकअप गाड़ी में राजस्थान के गोगामेड़ी में धोक लगाने जा रहे थे जा रहे थे। इन्होंने गाड़ी में 2 स्टोरी बना रखी थीं। जब ये सिरसा शहर में सुभाष चौक पर पहुंचे तो ट्रैफिक पुलिस ने नियमों की अवहेलना पर उन्हें रुकवाया और साढे 9 हजार रुपए का चालान काट दिया। चालान काटने पर ड्राइवर और परिवार के लोग नाराज हो गए। उनकी पुलिस के साथ काफी कहासुनी हुई। इस बीच एक महिला ने पुलिस पीसीआर की चाबी निकाल ली और चालान वापस लेने की बात कहने लगी। ट्रैफिक पुलिस ने महिला से कई बार चाबी वापस देने की गुजारिश की, लेकिन चाबी नहीं लौटाई। उनके बीच करीब एक से दो घंटे तक यह ड्रामा चला। बाद में महिला ने चाबी पुलिस को देने के बजाय गाड़ी के बोनट पर फेंक दी। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने इसकी शिकायत शहर थाना पुलिस को दी। थाने में पहुंचने पर महिला और उसके परिजनों ने पुलिस से माफी मांगते हुए कहा कि ऐसा दोबारा नहीं होगा।

आईपीएल टी-20 मैच पर ऑनलाइन सट्टा खाईवाली करता युवक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- आरोपी से लैपटॉप, चार्जर, एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने बीती रात कोलकाता व हैदराबाद के बीच खेले जा रहे टी-20 आईपीएल मैच के दौरान ऑन लाइन सट्टा खाईवाली करते हुए एक युवक को काबू किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी उप निरीक्षक जगदीश चंद्र ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान किसान चौक सिरसा क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी को सूचना मिली कि नितीश पुत्र श्यामलाल निवासी शिव मंदिर वाली गली बेगू रोड सिरसा जोकि शहर के हुडा सेक्टर-20 में स्थित मकान नंबर 153 को किराए पर लेकर आईपीएल टी-20 मैच के दौरान ऑन लाइन सट्टा खाईवाली का काम करता है। उन्होंने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की पुलिस टीम ने उक्त मकान पर दबिश दी तो एक युवक अपने लैपटॉप पर जेड-अकाउंट पर सट्टे का हिसाब करता मिला। उक्त युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जा से एक लैपटॉप, चार्जर, एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

सतीश कॉलोनी में धूमधाम से हुआ सत्संग, राम नाम की महिमा का किया गुणवान

'चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है' भजनों पर झूमे भक्तजन

टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने 'अज रोनकां ने वेडे, जय माँ जय माँ, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, आएगा वो आएगा नीले चढ़ सांवरा आएगा, मस्तों की मस्ती बरसाना मेरा गांव है' आदि भजनों से नाचने पर किया मजबूर

मखीजा परिवार ने ज्योति प्रचंड करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। कलाकारों को सम्मानित करते भक्तजन।

गुरुकृपा मंडल द्वारा नवरात्रे उत्सव को लेकर आयोजित किए जा रहे सत्संग की कड़ी में शनिवार का सत्संग सतीश कॉलोनी में बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मखीजा परिवार ने ज्योति प्रचंड करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद भारत टुटेजा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ममता तनेजा ने 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' भजन के साथ राम नाम की महिमा का गुणगान किया। उसके बाद श्याम प्रेमी सुनील मदान ने श्याम बाबा के भजनों का गुणगान किया और रसमयी माहौल बना दिया। टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने 'अज रोनकां ने वेडे, जय माँ जय माँ, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, आएगा वो आएगा नीले चढ़ सांवरा आएगा, राधा का नाम अनमोल, मस्तों की मस्ती बरसाना मेरा गांव है' आदि सुंदर भजनों से सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मां भगवती व बाबा श्याम का दरबार देखने योग्य था। शीश के दानी महिला मंडल का खूब सहयोग रहा। अंत में मखीजा परिवार ने भारत टुटेजा व मंडल के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया व सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ज्योति जुनेजा, कविता, ममता मेहता, चारू, मीनू भूटानी, अलका, सुमन,रजनी, राखी, नीरू, पूनम, रमेश मेहता सहित काफी भक्तजन मौजूद थे।

दुर्गा अष्टमी पर निकाली शोभा यात्रा

सिरसा। नवरात्रों के अष्टमी पर आईटीआई रोड स्थित मां शिव काली मंदिर द्वारा शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में शहरवासी सपरिवार सम्मिलित हुए। शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू हुई और भगवान वाल्मीकि चौक, शिव चौक, जगदेव सिंह चौक, सुभाष चौक, पोस्ट ऑफिस रोड, भगवान परशुराम चौक, शहीद भगत सिंह चौक, सुभाष चौक, घंटाघर चौक, गांधी कॉलोनी, आईटीआई रोड से होते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंचकर संपन्न हुई। मंदिर की मुख्य सेविका सुनीता रानी ने कहा कि नवरात्रों में हर वर्ष इसी प्रकार शोभा यात्रा निकाली जाती है। इस शोभा यात्रा से लोग मां के साक्षात दर्शन कर पाते है। शोभा यात्रा में जहां विभिन्न झांकियों के माध्यम से देवी देवताओं के दर्शन हुए, तो वहीं लोगों ने सेवाभाव से विभिन्न स्टॉले भी लगाई।

खबर संक्षेप

6.47 ग्राम हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार, केस

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम ने एक युवक को 6 ग्राम 47 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विराज पुत्र अशोक कुमार कोर्ट कॉलोनी सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

अवैध शराब मामले में दूसरा आरोपी काबू

फतेहाबाद। गैस टेंकर से भारी मात्रा में शराब बरामद होने के मामले में आगामी कार्यवाही करते हुए टोहाना पुलिस ने राजस्थान से एक ओर युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान महिपाल उर्फ महेश निवासी जिला बाड़मेर, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया जहां से उसे 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

पिरथला राजकीय स्कूल में चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव पिरथला स्थित सरकारी स्कूल में घुसकर अज्ञात चोर हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए है। इस बारे सूचना मिलते ही सदर टोहाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर चोरों की तलाश गुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में राजकीय प्राथमिक पाठशाला ढाणी पिरथला के इंचार्ज ऋषिपाल ने कहा है कि गत दिवस वह स्कूल को बंद करके घर चले गए थे। रात को करीब 11 बजे अज्ञात चोर स्कूल में घुस गए।

नशीली गोलियों सहित एक युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। मेडिकल नशे की तस्करी करने वालों की धरपकड़ करते हुए पुलिस ने एक युवक को भारी संख्या में नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। टीम ने आरोपी सज्जन के पास से कुल 4625 गोलियां व 13 शीशीयां बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ थाना सदर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

खेत के बाहर से किसान का मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने गांव थेड़ी में खेत के बाहर से किसान का मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव थेड़ी निवासी जसविन्द्र सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर सोत्तर भट्ठ रोड स्थित अपने खेत में गया था।

रामनवमी को 108 कंजक पूजा करेगी सेवा भारती

फतेहाबाद। रविवार को मनाई जा रही रामनवमी के दिन सेवा भारती संस्था द्वारा 108 कंजक पूजन समारोह धूमधाम से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संस्था के संरक्षक हीरालाल गुप्ता ने बताया कि सेवा भारती संस्था द्वारा पिछले काफी वर्षों से हर वर्ष रामनवमी के उपलक्ष्य में कंजक पूजन किया जाता है। इस दौरान 108 कन्याओं की विधिवत पूजा कर उन्हें भोजन करवाया जाता है।

धूमधाम से मनाया गया दुर्गा अष्टमी का पर्व, कन्याओं का किया पूजन

रामनवमी पर सुबह 7. 40 बजे से 9.14 मिनट तक कन्या पूजन शुभ

श्रद्धालुओं ने श्री श्याम मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री रघुनाथ मंदिर, देवी मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, गीता मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, वैष्णो मंदिर में पूजा अर्चना की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शनिवार को दुर्गा अष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने मंदिरों व प्रतिष्ठानों में मां दुर्गा की पूजा की और कन्याओं को हलवा-पुड़ी व खीर का प्रसाद दिया। श्रद्धालुओं ने घरों में मां दुर्गा के पूजन के साथ कन्याओं का भी पूजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। रविवार को राम नवमी का पर्व मनाया जाएगा। मां सिद्धिदात्री की पूजा के साथ ही भगवान श्री राम की भी पूजा अर्चना की जाएगी। शनिवार को चैत्र नवरात्रि के आठवें दिन मां भगवती के महागौरी स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। मंदिरों में माता रानी की पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने विधि विधान से माता रानी की घर और मंदिरों में पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। देवी भक्तों ने कन्याओं का पूजन किया। श्रद्धालुओं ने कंजकों को हलवा-पुड़ी, खीर छोले का प्रसाद खिलाते हुए उपहार भी दिए। शहर के श्री श्याम मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री रघुनाथ मंदिर, देवी मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, गीता मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, वैष्णो मंदिर सहित क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। भक्तों ने ज्योति लेकर प्रसाद श्रृंगार की वस्तुएं मां के चरणों में अर्पित की, साथ ही आरती कर सदा आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की। अष्टमी की पूजा करने वाले भक्तों ने नवरात्र का व्रत खोल प्रसाद ग्रहण किया, वहीं घरों में मीठे व्यंजन भी बनाए गए।

फतेहाबाद। कंजक पूजन करती महिला। फोटो: हरिभूमि

कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त

30 मार्च को चेत्र नवरात्रों का शुभारंभ हुआ था। आज 6 अप्रैल को रामनवमी पर पूजा अर्चना के साथ नवरात्रों का समापन होगा। रविवार को नवमी तिथि पर कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 40 मिनट से 9 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। नवमी तिथि के दिन सुबह 10 बजकर 49 मिनट से 12 बजकर 23 मिनट तक भी कन्या पूजन कर सकते हैं। इस दौरान अमृत चौघड़िया रहेगा। शुभ मुहूर्त में अगर श्रद्धालु नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन करते हैं तो शुभ फल आपको कई गुना बढकर मिल सकते हैं। इस दिन कन्या पूजन के साथ ही जरूरतमंद लोगों को भोजन कराने से देवी दुर्गा की अनुकंपा भक्तों पर बरसती है।

कन्या पूजन का महत्व

नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन करना बेहद शुभ माना जाता है। कन्याओं का पूजन हम उन्हें देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक मानकर करते हैं। कन्याओं का पूजन करना देवी दुर्गा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का प्रतीक है। कन्या पूजन नारी शक्ति के समाज में योगदान और उनकी महत्ता का प्रतीक भी है। कन्या पूजन करने से हमारा आध्यात्मिक विकास होता है। माता दुर्गा की कृपा भक्तों पर बरसती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

नवरात्र में दुर्गा अष्टमी पर कंजकों की पूजा कर करवाया भोजन

सिरसा। जिलाभर में नवरात्र पर्व की दुर्गा अष्टमी पर शनिवार को व्रतधारियों ने नवरात्रा के अष्टमी पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन करवाकर दान दक्षिणा देकर विदा किया। दुर्गा अष्टमी पर आज श्रद्धालुओं ने कंजक पूजन के साथ व्रत का अनुष्ठान पूर्ण किया। शनिवार सुबह नवरात्र की अष्टमी पर व्रतधारी महिलाओं ने नवरात्रा के समापन पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर मां दुर्गा को भोज्य पदार्थों का भोग लगाया। बाद में व्रतधारियों ने कन्याओं की पूजा अर्चना कर उन्हें भोजन करवाकर दान दक्षिणा व उपहार देकर उनके पांव छूकर उसने आशीर्वाद लेकर विदा किया। हिंदू धर्म में नवरात्रि का खास महत्व होता है। आज नवरात्र की अष्टमी पर शहर के विभिन्न मंदिरों में हवन पूजन के बाद भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिरों में माता का दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। वैसे तो नवरात्रि के पूरे 9 दिन विशेष होते हैं, लेकिन अष्टमी और नवमी का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी तिथि पर कन्या पूजन करने की परंपरा है।

फतेहाबाद। कंजक पूजन कर विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित करते सुरेन्द्र जटिया।

नवकल्याण विद्या मंदिर में हुआ कंजक पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- पूजन के बाद बच्चों को वितरित की पाठ्य सामग्री

नवकल्याण संस्था द्वारा अशोक नगर में संचालित नवकल्याण विद्या मंदिर में एजुकेटर पायल चक्रवर्ती द्वारा श्रीदुर्गा अष्टमी पर कंजक पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रोत्साहित किया

इस अवसर पर रीना राठौड़ व पायल चक्रवर्ती व ललित चक्रवर्ती ने संस्था के स्कूल में पढने वाली सभी कन्याओं का पूजन किया तथा उन्हें भोजन प्रसाद का भोग लगाया। इस अवसर पर राजकीय कर्मचारी एवं समाजसेवी सुरेन्द्र कुमार जटिया के सहयोग से संस्था में पढने वाले सभी बच्चों को पाठ्य सामाग्री भी वितरित की गई।

सुरेन्द्र जटिया ने बच्चों को मेहनत और लगन के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित गया। उल्लेखनीय है कि प्रधान बंटी कम्बोज की देख रेख में नवकल्याण संस्था सालों से समाजसेवा व शिक्षा जागृति के कार्य करती आ रही है।

स्वस्थ शुरूआत पर सामूहिक चर्चा

- नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब ने करवाई परिचर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब की ओर से शनिवार को स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य विषय पर सामूहिक चर्चा करवाई गई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है ताकि हर बच्चे को एक स्वस्थ और आशापूर्ण भविष्य मिल सके। सामूहिक चर्चा में छात्राध्यापकों को दो समूहों में बांटा गया जिसमें उन्होंने विश्व स्वास्थ्य दिवस को मनाने के कारण तथा उद्देश्यों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आगामी 7 अप्रेल को साल 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की शुरूआत की गई थी जिसका उद्देश्य दुनिया भर में किसी भी तरह की बड़ी स्वास्थ्य समस्या के प्रति जागरूक करके उसका निदान करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपने खान-पान के साथ-साथ शारीरिक गतिविधियां जैसे योगा, मेडिटेशन इत्यादि पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकें। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास होता है।

सिरसा। स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य विषय पर चर्चा करते क्लब सदस्य।

हरि भजन से होती है भगवान की प्राप्ति

- प्राचीन श्री बंशीवट मंदिर के प्रांगण में सत्संग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

प्राचीन श्री बंशीवट मंदिर के प्रांगण में आयोजित नानीबाई का मायरा कथा के प्रथम दिन कथा व्यास आचार्य पंडित सुगन शर्मा ने भगवान के परम भगत नरसी के बाल्यकाल का वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि कैसे नरसी की दादी, जिन्हें डोकरी कहा जाता था, ने बाल्यकाल से ही नरसी को भगवान की पूजा, संतों के प्रवचन सुनने में रूचि रखने की शिक्षा दी। कथाव्यास ने संतों की संगत व भगवान के भजन की महिमा बताई और कहा कि जो बाल्यकाल में हरि भजन करता है, उसे भगवान की प्राप्ति इसी जन्म में होती है, जो जवानी में हरि भजन करता है, उसका बुढ़ापा सुधर जाता है और जो बुढ़ापे में हरि को सुमिरता है उसका अगला जन्म सुधर जाता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके हरि भजन में लगना चाहिए। संतों की कृपा हुई तो गूंगे बहरे नरसी भगत भी बोलने व सुनने लगे और भगवान के भजन में ऐसे लगे कि भगवान स्वयं प्रकट हुए। कथाव्यास ने बहुत ही सुंदर भजनों के माध्यम से नरसी का चरित्र गान किया।

सिरसा। कथा वाचन करते हुए कथा वाचक। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रधान इंद्र कुमार चिड़ावावाले ने बताया कि कथा आगामी 6 अप्रेल रविवार तक रोजाना शाम 3 बजे से 6 बजे तक होगी। इस मौके पर हीरालाल शर्मा, राजकुमार शर्मा, सुनील कुमार गोयल, संजय कुमार तायल, रामकुमार जैन, राजेंद्र जिंदल, संजय गोयल, संदीप सोनी, दीपक शर्मा, मुनीष शर्मा, तरूण, अनिल शर्मा, राधेश्याम बांसल, दयानंद वर्मा, अश्विनी, कमल सिंगला, तरूण बगडिया व अन्य मौजूद रहे।

अब तक 20573 मीट्रिक टन सरसों की आवक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला की विभिन्न अनाज मंडियों में सरसों फसल की आवक जोरों पर है। जिला में अब तक 20573 मीट्रिक टन सरसों फसल की आवक हुई है, जिसमें से 13536 मीट्रिक टन सरसों फसल की खरीद की जा चुकी है।

उठान में भी तेजी

इसके साथ ही मंडियों से सरसों फसल के उठान कार्य भी निरंतर किया जा रहा है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला में अब तक 20573 मीट्रिक टन सरसों फसल की आवक हुई है, जिसमें से फतेहाबाद अनाज मंडी में 5383 मीट्रिक टन, भट्टू कलां में 2499 मीट्रिक टन तथा भूना में 12691 मीट्रिक टन शामिल है।

इसके साथ ही जिला की मंडियों से 13536 मीट्रिक टन सरसों फसल की खरीद की जा चुकी है जिसमें से फतेहाबाद अनाज मंडी में 1200 मीट्रिक टन, भट्टू कलां में 1512 मीट्रिक टन तथा भूना में 10824 मीट्रिक टन शामिल है। उपायुक्त ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी सरसों की फसल को सूखाकर व तयमानकों अनुसार खरीद केंद्रों व अनाज मंडियों में लेकर आए ताकि उनकी फसल की जल्द खरीद हो सके।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी में आई सरसों की फसल। फोटो: हरिभूमि

उपायुक्त ने दिए निर्देश

इसके साथ ही उपायुक्त ने संबंधित विभाग व एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे खरीद केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए समूचित प्रबंध सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने बताया कि मंडियों से खरीद गई फसल का उठान कार्य भी निरंतर किया जा रहा है। अब तक जिला की मंडियों से 7952 मीट्रिक टन सरसों फसल का उठान किया गया है जिसमें से फतेहाबाद अनाज मंडी में 3912 मीट्रिक टन, भट्टू कलां में 881 मीट्रिक टन तथा भूना में 3159 मीट्रिक टन फसल का उठान हुआ है।

एसडीएम ने किया स्कूल का निरीक्षण

- खुइयां मलकाना के राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर सुविधाएं जांची

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

एसडीएम अर्पित संगल ने उपमंडल के गांव खुइयां मलकाना के राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति जांची और विद्यालय में बच्चों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। यही नहीं उन्होंने कक्षाओं में जाकर छोटे बच्चों से बात कर उनका हौसला बढ़ाया। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के बच्चों को मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना है। अभी स्कूलों में एडमिशन प्रक्रिया भी चल रही है। ऐसे में आज इस राजकीय स्कूल का निरीक्षण किया गया है। स्कूल में सुविधाओं का जायजा लिया गया है और बच्चों को जरूरी सुविधाओं व सुरक्षा के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

सिरसा। निरीक्षण के दौरान बच्चों से वार्तालाप करते एसडीएम।

सीडीएलयू के रसायन शास्त्र विभाग में हुआ ऑनलाइन व्याख्यान

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में पारंपरिक एवं आयुर्वेद उपचार पद्धतियों के एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान हुआ जिसमें हरियाणा सरकार की आयुष निदेशक डॉ. संगीता नेहरा ने भाग लिया। व्याख्यान में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विभाग के स्नातकोत्तर शोधार्थी, छात्र-छात्राएं तथा फैकल्टी सदस्य शामिल थे। डॉ. संगीता नेहरा ने बताया कि चिकित्सा प्रक्रिया केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि प्राणिक, मानसिक, आत्मिक और आनंदमय स्तरों तक प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने आत्म-चिकित्सा एवं आत्म-प्रेम आधारित उपचार पद्धति की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय को प्रोत्साहित करना था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

जिला स्तरीय स्काउट व गाइड सदस्यों की बैठक में निर्णय

चौटाला में लगेगा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

गांव चौटाला में स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक राष्ट्रीय स्तर के नेशनल इंटीग्रेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिला स्तरीय स्काउट व गाइड सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संत कुमार, चौटाला गांव के सरपंच सुभाष चंद्र, प्राचार्य राजेंद्र कुमार, प्राचार्या पायल, शीतल हाई स्कूल डायरेक्टर महेंद्र कुमार के अलावा सिरसा जिले के भारत स्काउट एंड गाइड के बीओसी, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन के अलावा शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉक्टर इंद्रसेन डीओसी सिरसा एवं सुखदेव सिंह ढिल्लों जिला सचिव ने बताया कि उपरोक्त राष्ट्रीय शिविर 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलेगा एवं पूरे देश से विभिन्न राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी।

सिरसा। बैठक में चर्चा करते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

विभिन्न संस्कृतियों का समन्वय दिखाई देगा

प्राचार्य राजेंद्र कुमार ने कहा कि यह स्थान हरियाणा पंजाब और राजस्थान को मिलता है। इस त्रिवेणी क्षेत्र में भारत की सभी संस्कृतियों का अद्वितीय मिलन होगा। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संत कुमार ने कहा कि शिविर में भारत की विभिन्न संस्कृतियों का समन्वय दिखाई देगा। विभिन्न राज्यों की लोक कलाएं, परंपराएं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रस्तुत की जाएंगी। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मसीतां में नियुक्त स्काउट मास्टर व बीओसी डबवाली डॉ. गुरदास सिंह ने बताया कि शिविर के दौरान स्टेट एक्सपोजिशन, लोक नृत्य, लोकगीत, शादियों की परंपराएं, विभिन्न राज्यों के त्यौहार, विभिन्न राज्यों के भोजन आदि पर आधारित प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर हथियार सहित फोटो डालने पर केस दर्ज

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई को लेकर दिए गए निर्देशों के अनुसार जिला पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन ले रही है। ऐसे ही एक मामले में सोशल मीडिया पर हथियार सहित फोटो डालने पर एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम एचसी दिनेश कुमार के नेतृत्व में गश्त पर थी तो उन्हें सूचना मिली कि गांव सहनाल निवासी हरप्रीत सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर सोशल मीडिया का दुरूप्रयोग करते हुए अवैध हथियार के साथ फोटो पोस्ट कर समाज में दहशत व भय का माहौल पैदा करने की कोशिश की है। हरप्रीत ने फरवरी माह में यह फोटो सोशल मीडिया पर डाली थी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

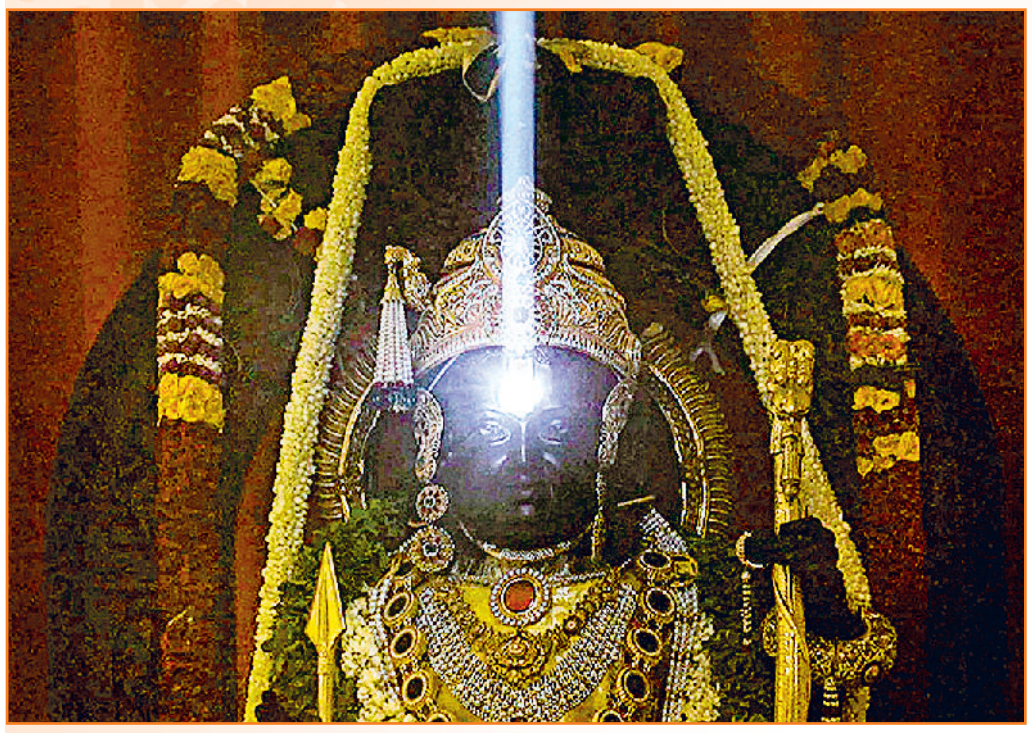

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

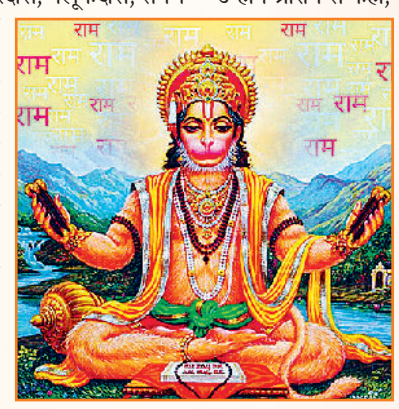

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित
हनुमान जी के अनूठे मंदिर

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

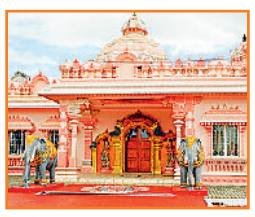

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

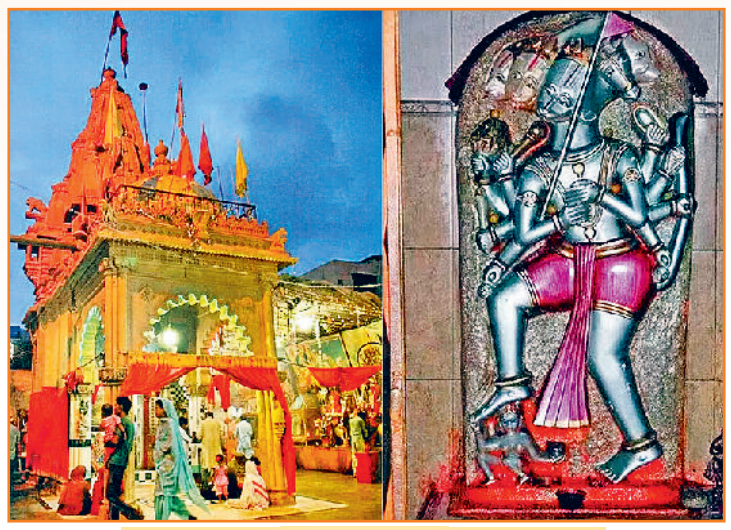

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

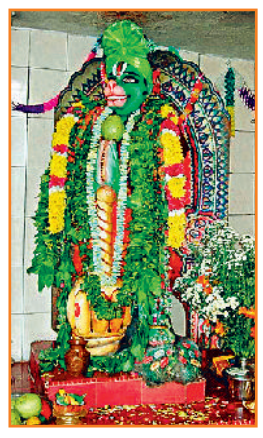

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें
कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुणः भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजनः रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधनः कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वासः जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासनः अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमताः कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारीः जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो
आप रहेंगे सोशली हेल्दी

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थः हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्वः सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षणः अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।